Early Mediaeval Europe (लगभग 5वीं से 10वीं शताब्दी) की सामाजिक स्थिति रोमन सभ्यता के पतन के बाद बने नए हालातों से गहराई से प्रभावित थी। यह काल सामाजिक संरचना के पुनर्गठन, असमानता और धार्मिक प्रभुत्व का युग था।

1. सामाजिक संरचना: वर्ग आधारित समाज

इस काल का समाज स्पष्ट रूप से पदानुक्रमित (hierarchical) था—

राजा और उच्च कुलीन वर्ग (Nobility)

भूमि के स्वामी

सैन्य शक्ति उनके हाथ में

समाज के निर्णायक वर्ग

पादरी वर्ग (Clergy)

बिशप, एबट, पादरी

शिक्षा और धर्म पर नियंत्रण

कई बार सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव में कुलीनों से आगे

किसान और कृषक वर्ग (Peasantry)

समाज का सबसे बड़ा वर्ग

भूमि पर आश्रित

कर, बेगार और श्रम-सेवा से बंधे

दास और सर्फ़ (Slaves & Serfs)

व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अभाव

स्वामी की भूमि से बंधे

सामाजिक गतिशीलता लगभग शून्य

2. सामंतवादी समाज (Feudal Social Order)

Early medieval समाज की रीढ़ सामंतवाद था—

भूमि के बदले सुरक्षा

परस्पर निर्भरता की प्रणाली

व्यक्ति की पहचान उसके प्रभु से जुड़ी

यह व्यवस्था सामाजिक स्थिरता तो देती थी, लेकिन असमानता को स्थायी बनाती थी।

3. ग्रामीण जीवन का प्रभुत्व

जनसंख्या का अधिकांश भाग गाँवों और मैनर (Manor) में रहता था

आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था

सीमित व्यापार और नगरीकरण

नगर जीवन रोमन काल की तुलना में अत्यंत कमजोर हो गया।

4. चर्च और धर्म का सामाजिक प्रभाव

चर्च Early Mediaeval समाज की केन्द्रीय संस्था था—

जन्म, विवाह और मृत्यु पर चर्च का नियंत्रण

सामाजिक नैतिकता का निर्धारण

दान, तीर्थ और धार्मिक अनुष्ठानों का महत्व

स्वर्ग–नरक, पाप–पुण्य की अवधारणाओं ने सामाजिक आचरण को नियंत्रित किया।

5. शिक्षा और बौद्धिक जीवन

शिक्षा लगभग पूरी तरह चर्च के हाथ में

मठ (Monasteries) ज्ञान के केंद्र

सामान्य जनता अशिक्षित

ज्ञान का उद्देश्य धार्मिक प्रशिक्षण, न कि आलोचनात्मक सोच, था।

6. स्त्रियों की स्थिति

समाज पूर्णतः पितृसत्तात्मक
स्त्रियाँ पिता या पति पर निर्भर
कुलीन स्त्रियों को सीमित संपत्ति अधिकार
मठों में रहने वाली स्त्रियों को कुछ सम्मान और शिक्षा
सामान्यतः स्त्रियों की सामाजिक स्वतंत्रता अत्यंत सीमित थी।
7. सामाजिक गतिशीलता का अभाव
जन्म के आधार पर सामाजिक स्थान तय
किसान का किसान रहना लगभग निश्चित
चर्च ही एकमात्र रास्ता था जहाँ कुछ हद तक सामाजिक उन्नति संभव थी
निष्कर्ष
Early Mediaeval Europe की सामाजिक स्थिति की मुख्य विशेषताएँ थीं—
कठोर वर्ग-व्यवस्था
सामंतवादी सामाजिक संबंध
ग्रामीण जीवन का प्रभुत्व
चर्च का सर्वव्यापी प्रभाव
सीमित शिक्षा और सामाजिक गतिशीलता
यह समाज स्थिर, अनुशासित लेकिन असमान था, जिसने आगे चलकर High Medieval Europe की सामाजिक संरचनाओं की नींव रखी।